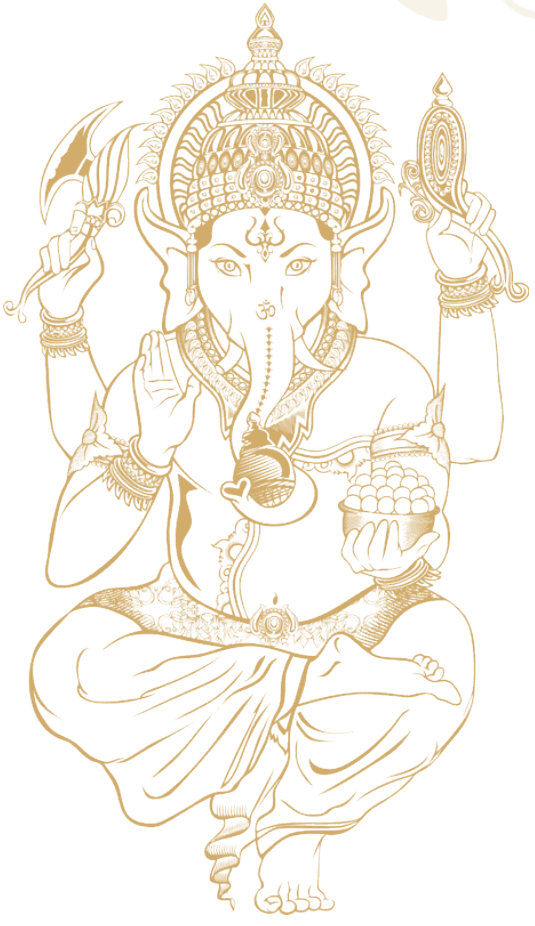

Manish Kumar Singh

31 Jan 1983

02:05 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120505702

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
30-31/01/1983	जन्म तिथि	**30/01/2025**
रवि-सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 02:05:00	जन्म समय	20:38:27 घंटे
घटी 47:15:05	जन्म समय(घटी)	33:39:46 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:10:58	सूर्योदय	07:10:32
17:58:50	सूर्यास्त	17:58:42
23:36:59	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:28

वृश्चिक	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
सिंह	राशि	कुम्भ
सूर्य	राशि-स्वामी	शनि
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	धनिष्ठा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	3
शोभन	योग	वरियान
वणिज	करण	बालव
मो-मोहन	जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मार्जार
42	गत/तत्कालिक वर्ष	43

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ
विशाखा	4	03:03:32	वृश्चि	
श्रवण	3	16:46:22	मक	
पू०फाल्गुनी	1	13:51:20	सिंह	
शतभिषा	4	16:49:13	कुंभ	
पूर्वाषाढ़ा	4	23:31:30	धनु	
अनुराधा	3	12:46:28	वृश्चि	
शतभिषा	1	07:47:22	कुंभ	
स्वाति	2	10:40:50	तुला	
आर्द्रा	2	10:07:44	मिथु	व
मूल	4	10:07:44	धनु	व
अनुराधा	4	14:41:32	वृश्चि	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न		सिंह	22:05:49	3	पू०फाल्गुनी
सूर्य		मक	16:46:22	3	श्रवण
चंद्र		कुंभ	01:13:00	3	धनिष्ठा
मंगल	व	मिथु	26:40:13	3	पुनर्वसु
बुध	अ	मक	09:54:03	4	उत्तराषाढ़ा
गुरु	व	वृष	17:06:35	3	रोहिणी
शुक्र		मीन	02:08:07	4	पू०भाद्रपद
शनि		कुंभ	23:04:04	1	पू०भाद्रपद
राहु	व	मीन	04:01:59	1	उ०भाद्रपद
केतु	व	कन्या	04:01:59	3	उ०फाल्गुनी
मु		वृष	03:03:32	2	कृतिका

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:28

लग्न-चलित

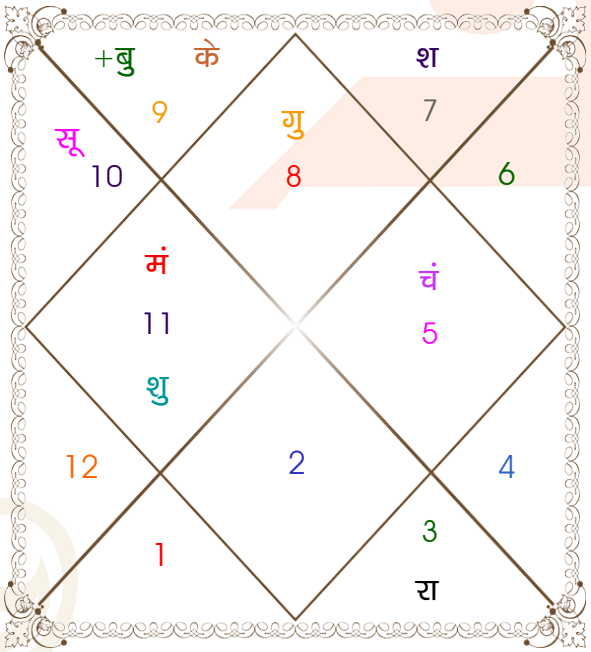

वर्ष लग्न कुंडली

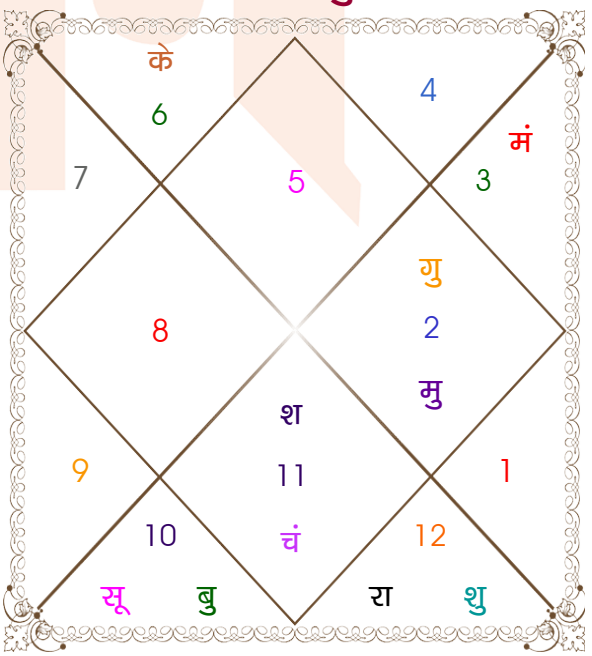

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - राहु - गुरु		राहु - राहु - शनि		राहु - राहु - बुध		राहु - राहु - केतु	
14/09/2025 14:59		24/01/2026 02:45		29/06/2026 06:13		15/11/2026 23:12	
24/01/2026 02:45		29/06/2026 06:13		15/11/2026 23:12		12/01/2027 11:51	
गुरु	02/10/2025 03:45	शनि	17/02/2026 20:06	बुध	19/07/2026 01:13	केतु	19/11/2026 07:45
शनि	22/10/2025 23:25	बुध	11/03/2026 22:59	केतु	27/07/2026 04:49	शुक्र	28/11/2026 21:51
बुध	10/11/2025 14:29	केतु	21/03/2026 01:35	शुक्र	19/08/2026 11:39	सूर्य	01/12/2026 18:53
केतु	18/11/2025 06:34	शुक्र	16/04/2026 02:10	सूर्य	26/08/2026 11:18	चंद्र	06/12/2026 13:56
शुक्र	10/12/2025 04:32	सूर्य	23/04/2026 21:32	चंद्र	07/09/2026 02:43	मंगल	09/12/2026 22:29
सूर्य	16/12/2025 18:19	चंद्र	06/05/2026 21:50	मंगल	15/09/2026 06:18	राहु	18/12/2026 13:34
चंद्र	27/12/2025 17:18	मंगल	16/05/2026 00:26	राहु	06/10/2026 05:15	गुरु	26/12/2026 05:40
मंगल	04/01/2026 09:23	राहु	08/06/2026 10:33	गुरु	24/10/2026 20:19	शनि	04/01/2027 08:16
राहु	24/01/2026 02:45	गुरु	29/06/2026 06:13	शनि	15/11/2026 23:12	बुध	12/01/2027 11:51

राहु - राहु - शुक्र		राहु - राहु - सूर्य		राहु - राहु - चंद्र		राहु - राहु - मंगल	
12/01/2027 11:51		25/06/2027 20:33		14/08/2027 03:58		04/11/2027 08:19	
25/06/2027 20:33		14/08/2027 03:58		04/11/2027 08:19		31/12/2027 20:57	
शुक्र	08/02/2027 21:18	सूर्य	28/06/2027 07:43	चंद्र	21/08/2027 00:19	मंगल	07/11/2027 16:51
सूर्य	17/02/2027 02:32	चंद्र	02/07/2027 10:20	मंगल	25/08/2027 19:23	राहु	16/11/2027 07:57
चंद्र	02/03/2027 19:16	मंगल	05/07/2027 07:22	राहु	07/09/2027 03:14	गुरु	24/11/2027 00:02
मंगल	12/03/2027 09:22	राहु	12/07/2027 16:53	गुरु	18/09/2027 02:13	शनि	03/12/2027 02:38
राहु	06/04/2027 01:04	गुरु	19/07/2027 06:40	शनि	01/10/2027 02:30	बुध	11/12/2027 06:14
गुरु	27/04/2027 23:02	शनि	27/07/2027 02:03	बुध	12/10/2027 17:55	केतु	14/12/2027 14:46
शनि	23/05/2027 23:37	बुध	03/08/2027 01:42	केतु	17/10/2027 12:58	शुक्र	24/12/2027 04:52
बुध	16/06/2027 06:27	केतु	05/08/2027 22:44	शुक्र	31/10/2027 05:42	सूर्य	27/12/2027 01:54
केतु	25/06/2027 20:33	शुक्र	14/08/2027 03:58	सूर्य	04/11/2027 08:19	चंद्र	31/12/2027 20:57

राहु - गुरु - गुरु		राहु - गुरु - शनि		राहु - गुरु - बुध		राहु - गुरु - केतु	
31/12/2027 20:57		26/04/2028 18:05		12/09/2028 13:09		14/01/2029 17:36	
26/04/2028 18:05		12/09/2028 13:09		14/01/2029 17:36		06/03/2029 20:50	
गुरु	16/01/2028 10:58	शनि	18/05/2028 17:30	बुध	30/09/2028 03:23	केतु	17/01/2029 17:11
शनि	03/02/2028 23:07	बुध	07/06/2028 09:24	केतु	07/10/2028 09:15	शुक्र	26/01/2029 05:44
बुध	20/02/2028 12:31	केतु	15/06/2028 11:43	शुक्र	28/10/2028 01:59	सूर्य	28/01/2029 19:05
केतु	27/02/2028 08:08	शुक्र	08/07/2028 14:54	सूर्य	03/11/2028 07:00	चंद्र	02/02/2029 01:21
शुक्र	17/03/2028 19:40	सूर्य	15/07/2028 13:27	चंद्र	13/11/2028 15:23	मंगल	05/02/2029 00:57
सूर्य	23/03/2028 15:55	चंद्र	27/07/2028 03:02	मंगल	20/11/2028 21:14	राहु	12/02/2029 17:02
चंद्र	02/04/2028 09:41	मंगल	04/08/2028 05:21	राहु	09/12/2028 12:18	गुरु	19/02/2029 12:40
मंगल	09/04/2028 05:19	राहु	25/08/2028 01:01	गुरु	26/12/2028 01:42	शनि	27/02/2029 14:59
राहु	26/04/2028 18:05	गुरु	12/09/2028 13:09	शनि	14/01/2029 17:36	बुध	06/03/2029 20:50

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।